बहुत याद आई माँ | By Sunil Sarvottam |

चाहे सुख हो चाहे दुख हो
याद बहुत ही आई माँ
हो जाते हैं सब ही पराए
होती नहीं पराई माँ

जब हो जाती है बीमार तो
लेती नहीं दवाई माँ
अपने बच्चों की खातिर ही
जोड़े जोड़े पाई पाई माँ
अपने सब अरमान माँ के
कुछ भी ना कह पाई माँ
चाहे सुख हो चाहे दुख हो
याद बहुत ही आई माँ

अपने मन की करते सारे
सबने ही तो सताई माँ
रंज क्लेश को सहते सहते
रह गई एक तिहाई माँ
घर का चूल्हा मत बटोरे
देती रही दुहाई माँ
चाहे सुख हो चाहे दुख हो
याद बहुत ही आई माँ

माँ की बातें ऐसी जैसे
माखन और मलाई माँ
सारे रिश्ते नाते छूटे
लेकिन है सच्चाई माँ
सबसे ऊँच नाम है जग में
मम्मी मम्मी माई माँ
चाहे सुख हो चाहे दुख हो
याद बहुत ही आई माँ

इस धरती के हर प्राणी को
दुनिया में है लाई माँ
माँ जैसा ना कोई जग में
यूँ ही नहीं कहाई माँ
कोटि कोटि नमन है उनको
जिसने भी है बनाई माँ

चाहे सुख हो चाहे दुख हो
याद बहुत ही आई माँ
हो जाते हैं सब ही पराए
होती नहीं पराई माँ

e0%a4%a6-%e0%a4%86%e0%a4%88-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-by-sunil-sarvottam/